मन लगाकर सुना।

मेरी समझसे इन दो साधनोंसे तुम्हारे घरका वातावरण पवित्रतम हो सकता है। जो समझानेसे बात नहीं समझमें आती, पर वही बात जब कथा-प्रसंगमें आ जाती है तो उसका सहज ही ग्रहण हो सकता है।

ये दो ऐसे साधन हैं, जिनका घर-घरमें प्रवेश होना चाहिये। घरका वातावरण और घरके लोगोंका स्वभाव शुद्ध तथा भगवदभिमुखी करनेके लिये ये दोनों साधन बड़े ही प्रभावशाली हैं। करके देखो और हो सके तो अपने मित्रोंमें भी इनका प्रचार करो। इनसे घर और देशका सुधार तो होगा ही, मनुष्य-जीवनके चरम उद्देश्य भगवत्प्राप्तिका पथ भी बहुत सहज हो जायगा। शेष प्रभुकृपा।

Generated by CamScanner from intsig.com